# गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

चयन आधारित क्रेडिट व्यवस्था की पाठ्यचर्या के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम

(Choice Based Credit System)

विषय नाम :संस्कृत

# Govind Guru Tribal University, Banswara

## Details of Discipline Centric Core and ElectiveCoursesfor freshers who will be admitted in the session 2023-24

*(Separatesheet to beused for each discipline/subject)*

**Name of University: Govind Guru Tribal University, Banswara**

**Name of Faculty(ies) : HUMANITIES**

**Name of Discipline/Subject: SANSKRIT**

| Three-YearBachelorDegreeProgram | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | Credits | | | |
| # | Level | Semester | Type | Title | L+T | | P | Total |
| 1 | 5 | I | DCC | SANSKRIT KAVYA | 5 | 1 | 0 | 6 |
| 2 | 6 | II | DCC | SANSKRIT GADYA | 5 | 1 | 0 | 6 |
| 3 | 6 | III | DCC | SANSKRIT NATAK | 5 | 1 | 0 | 6 |
| 4 | 6 | IV | DCC | SANSKRIT VYAKRAN | 5 | 1 | 0 | 6 |
| 5 | 7 | V | DSE | SANSKRIT SAHITYA MEIN RASHTRIYA CHETNA | 5 | 1 | 0 | 6 |
| 6 | 7 | VI | DSE | KAVYA SHASTRA | 5 | 1 | 0 | 6 |

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

# गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

## त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

## संस्कृत

## प्रथम सेमेस्टर

## अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

## DCC-1

## संस्कृत काव्य

खंड 'अ' रघुवंशम् - प्रथम सर्ग - 1 से 25 श्लोक

खंड 'ब' शिशुपालवधाम् - द्वितीय सर्ग - 26 से 37 एवं 42 से 56 श्लोक

खंड 'स' नीतिशतकम् - 1 से 20 श्लोक प्रथम एवं द्वितीय पद्धति, संस्कृत काव्य का इतिहास -

**इकाई-वार प्रभाग:**

### इकाई:। रघुवंशम्

**खण्ड 'अ'** परिचय (लेखक और पाठ)

प्रथम सर्ग (श्लोक 1-10) अर्थ/अनुवाद, व्याख्या, कहानी, रघु का चरित्र, दिलीप का चरित्र।

**खण्ड 'ब'** प्रथम सर्ग (श्लोक: 11-25) अर्थ/अनुवाद, व्याख्या, प्रजा के कल्याण के लिए दिलीप की भूमिका। शीर्षक की उपयुक्तता, दी गई सामग्री की पृष्ठभूमि।

### इकाई:॥ शिशुपालवधम्

**खण्ड 'अ'** परिचय (लेखक और पाठ), शीर्षक की उपयुक्तता, दी गई सामग्री की पृष्ठभूमि।

द्वितीय सर्ग, श्लोक 26-37, व्याकरण, अनुवाद, व्याख्या, काव्यात्मक उत्कृष्टता, विषयगत विश्लेषण।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

**खण्ड 'ब'** द्वितीय सर्ग, श्लोक 42-56, व्याकरण, अनुवाद, व्याख्या, काव्यात्मक उत्कृष्टता, विषयगत

## इकाई: III नीतिशतकम्

**खण्ड 'अ'** श्लोक (1-20) अनुवाद, व्याख्या, भर्तहरि के सामाजिक अनुभव, मूर्ख के प्रकार।

**खण्ड 'ब'** संस्कृत काव्य का इतिहास, अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि और उनकी रचनाएँ। निम्नलिखित कवियों और उनके कार्यों के विशेष संदर्भ में महाकाव्य और गीतिकाव्य। महाकाव्य एवं गीति काव्य की उत्पत्ति एवं विकास।

**सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:**


1. नीतिशतक, विमल चन्द्रिका संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या सहित।
2. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री (व्या.), नीतिशतक, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
3. तारिणीश झा, नीतिशतक, रामनारायनलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976।
4. ओमप्रकाश पाण्डेय, नीतिशतक, मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित चौखम्भा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1976।
5. बाबूराम त्रिपाठी (सम्पा.), नीतिशतक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1968।
6. सी.डी. देवधर (पाठ, अंग्रेजी अनुवाद), कालिदास के रघुवंशम, एमएलबीडी। दिल्ली।
7. एम.आर. काले (पाठ, इंजी. ट्र.), कालिदास के रघुवंशम, एमएलबीडी, दिल्ली।
8. गोपाल रघुनाथ नंदर्गिकर, कालिदास के रघुवंशम, एमएलबीडी, दिल्ली।
9. कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम् (मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. माघ का शिशुपालवधम्
11. मिराशी, वी.वी., कालिदास, पॉपुलर पब्लिकेशन, मुंबई।
12. कीथ, ए.बी.: संस्कृत साहित्य का इतिहास, एमएलबीडी, दिल्ली।
13. कृष्णमाचार्यर, शास्त्रीय संस्कृत साहित्य का इतिहास, एमएलबीडी, दिल्ली।
14. गौरीनाथ शास्त्री, संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एमएलबीडी, दिल्ली।
15. विंटरनित्ज़, मौरिस, भारतीय साहित्य (खंड I-III), हिंदी अनुवाद, एमएलबीडी, दिल्ली।


नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

# गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाड़ा

## त्रिवर्षीय स्नातक (तीन मुख्य विषयों के साथ)

## संस्कृत

## द्वितीय सेमेस्टर

## अनुशासन केन्द्रित मुख्य कोर्स

## DCC-2

## संस्कृत गद्य

खंड 'अ' शुकनासोपदेश

खंड 'ब' शिवराजविजयम, प्रथम निश्वास

खंड 'स' संस्कृत गद्य साहित्य का सर्वेक्षण

**इकाई-वार प्रभाग:**

### इकाई:। शुकनासोपदेश

**खण्ड 'अ'** परिचय- लेखक/पाठ - यथा यथा चेयं चपला दीप्यते समप्तिपर्यंत (पाठ के अंत तक)।

**खण्ड 'ब'** शुकनासोपदेश में दर्शाया गया समाज और राजनीतिक विचार, कहावतों का तार्किक अर्थ और अनुप्रयोग।

### इकाई: ॥ शिवराजविजयम्, प्रथम निश्वास

**खण्ड 'अ'** पैरा 1 से 20 परिचय- लेखक/पाठ, पाठ

**खण्ड 'ब'** पैरा 21 से पाठ के अंत तक। पाठ पढ़ना (व्याकरण, अनुवाद और स्पष्टीकरण), काव्यात्मक उत्कृष्टता, कथानक, कार्यवाही का समय।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)

## इकाई: III संस्कृत गद्य साहित्य का सर्वेक्षण

**खण्ड 'अ'** संस्कृत गद्य साहित्य का सर्वेक्षण: गद्य काव्य की उत्पत्ति और विकास। गद्यकार सुबंधु, बाण, दंडी, अंबिकादत्त व्यास का परिचय।

**खण्ड 'ब'** पंचतंत्र, हितोपदेश, वेतालपंचविन्शतिका, सिंहासनाद्वात्रिंशिका और पुरुष परीक्षा

**सुझाई गई पुस्तकें/पाठ्यक्रम:**


1. भानुचन्द्रसिंह, शुकनासोपदेश: संस्कृत टीका तथा हिन्दी व्याख्या व अनुवाद सहित ।

2. प्रहलाद कुमार (व्या.), शुकनासोपदेश, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1974।

3. रामनाथ शर्मा सुमन ( व्या.), शुकनासोपदेश, साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1968

4. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी ।

5. प्रीतिप्रभा गोयल, संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

6. उमाशंकर शर्मा ऋषिः संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी

7. राधावल्लभ त्रिपाठी: संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

8. A.B. Keith, History of Sanskrit Literature, also Hindi translation, MLBD, Delhi (हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली) ।अनुवाद, मगलदेव शाति, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

9. कृष्णमाचार्यर, शास्त्रीय संस्कृत साहित्य का इतिहास, एमएलबीडी, दिल्ली।

10. गौरीनाथ शास्त्री, संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एमएलबीडी, दिल्ली।

11. विंटरनित्ज़, मौरिस, भारतीय साहित्य (खंड I-III), हिंदी अनुवाद, एमएलबीडी, दिल्ली।


नोट: आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तक/लेख/ई-संसाधन का सुझाव देने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

Rajendra Prasad Agarwal
Registrar
Govind Guru Tribal University
Banswara (Rajasthan)